रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39] नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 27, 2009/माघ 7, 1930
No. 39] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 27, 2009/MAGHA 7, 1930

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2009

सं. 3/1/2009-पब्लिक.—भारत सरकार अत्यन्त दुःखपूर्वक यह उद्घोषित करती है कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री आर. वेंकटरमण का 27 जनवरी, 2009 को 14.30 बजे आर्मी रिसर्च एण्ड रैफरल हॉस्पिटल, नई दिल्ली में निधन हो गया है।

मधुकर गुप्ता, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th January, 2009

No. 3/1/2009-Public.—The Government of India announces with profound sorrow, the death of Shri R. Venkataraman, former President of India at 14.30 hours on January 27, 2009 at Army Research and Referral Hospital, New Delhi.

MADHUKAR GUPTA, Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2009

निधन-सूचना

सं./3/1/2009-पब्लिक.—भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री आर. वेंकटरमण का 27 जनवरी, 2009 को 14.30 बजे आर्मी रिसर्च एण्ड रैफरल हॉस्पिटल, नई दिल्ली में निधन हो गया। अनुभवी एवं वयोवृद्ध राजनेता श्री वेंकटरमण एक जाने-माने नेता थे, जो सार्वजनिक जीवन में अनेक प्रतिष्ठित पदों पर रहे ।

2. 4 दिसम्बर, 1910 को गांव राजमदम, जिला तंजावुर, तमिलनाडु में जन्मे श्री आर. वेंकटरमण, 25 जुलाई, 1987 से 25 जुलाई, 1992 तक भारत के राष्ट्रपति रहे ।

3. श्री वेंकटरमण ने मद्रास विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। तत्पश्चात् आपने लॉ कॉलेज, मद्रास से विधि में उपाधि प्राप्त की । आपने 1935 में उच्च न्यायालय, मद्रास में तथा 1951 में भारत के उच्चतम न्यायालय में अपना नाम दर्ज कराया । वकालत करने के दौरान ही आप भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में शामिल हो गए । आपने 'भारत छोड़ो आन्दोलन 1942' में सक्रिय भागीदारी की जिसके फलस्वरूप ब्रिटिश शासन में आपको दो वर्ष के लिए नज़रबंद किया गया । वर्ष 1947 से 1950 तक आपने मद्रास प्रोविंसियल बार फेडरेशन के सचिव के रूप में कार्य किया ।

4. श्री वेंकटरमण को वर्ष 1950 में स्वतंत्र भारत की अनंतिम संसद (1950-1952) तथा प्रथम संसद (1952-1957) के लिए चुना गया। विधायी गतिविधियों के अपने कार्यकाल के दौरान श्री वेंकटरमण ने मेटल ट्रेड्स कमेटी ऑफ इन्टरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन के 1952 के सत्र में मजदूरों के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। आप न्यूजीलैण्ड में आयोजित राष्ट्रमण्डल संसदीय सम्मेलन में भारतीय संसद के प्रतिनिधिमण्डल के सदस्य थे ।

5. यद्यपि वर्ष 1957 में आप पुन: संसद में चुने गए थे किन्तु आपने राज्य सरकार में मंत्री के रूप में कार्य-भार ग्रहण करने के लिए लोक सभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था । आपने तमिलनाडु सरकार में उद्योग, श्रम, सहकारिता, विद्युत, परिवहन और वाणिज्यिक-कर के प्रभार संभाले । इस दौरान आप राज्य विधान परिषद् के नेता रहे ।

6. श्री वेंकटरमण को वर्ष 1967 में केन्द्रीय योजना आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया तथा उद्योग, श्रम, विद्युत, परिवहन, संचार, रेलवे के विषय सौंपे गए । आप 1971 तक इस पद पर रहे । 1977 में आप मद्रास (दक्षिण) संसदीय क्षेत्र से लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए और लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया । वर्ष 1980 में, आप लोक सभा के लिए पुन: निर्वाचित हुए और आपको केन्द्रीय वित्त मंत्री नियुक्त किया गया ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th January, 2009

OBITUARY

No. 3/1/2009-Public.— Shri R. Venkataraman, former President of India, passed away at Army Research and Referral Hospital, New Delhi at 14.30 hours on January 27, 2009. A veteran and elderly statesman, Shri Venkataraman was a distinguished leader, who held many eminent positions in public life.

2. Born on December 4, 1910, in village Rajamadam, District Thanjavur, Tamil Nadu, Shri R. Venkataraman served as the President of India from July 25, 1987 to July 25, 1992.

3. Shri Venkataraman obtained Master's Degree in Economics from Madras University. He later obtained degree in Law from Law College, Madras. Shri Venkataraman enrolled in the High Court, Madras in 1935 and in the Supreme Court of India in 1951. While practicing Law, Shri Venkataraman was drawn into the freedom of India movement. His active participation in the 'Quit India Movement 1942' resulted in his detention for two years under the British Government. During 1947 to 1950, Shri Venkataraman served as Secretary of the Madras Provincial Bar Federation.

4. Shri Venkataraman was elected in 1950, to free India's Provisional Parliament (1950-1952) and to the First Parliament (1952-1957). During his term of legislative activity, Shri Venkataraman attended the 1952 Session of the Metal Trades Committee of International Labour Organisation as a workers' delegate. He was a member of the Indian Parliamentary Delegation to the Commonwealth Parliamentary Conference in New Zealand.

5. Although re-elected to Parliament in 1957, Shri Venkataraman resigned his seat in Lok Sabha to join the State Government as a Minister. He held the portfolios of Industries, Labour, Cooperation, Power, Transport and Commercial Taxes in the Government of Tamil Nadu. During this time, he was also Leader of the State Legislative Council.

6. Shri Venkataraman was appointed Member of the Union Planning Commission in 1967 and was entrusted the subjects of Industry, Labour, Power, Transport, Communications, Railways. He held that office until 1971. In 1977, Shri Venkataraman was elected to the Lok Sabha from Madras (South) Constituency and served as Chairman of the Public Accounts Committee. In 1980, Shri Venkataraman was re-elected to the Lok Sabha and was appointed Union Minister of Finance. He was later appointed Union Minister of

बाद में आपको केन्द्रीय रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया । आप भारत के उप-राष्ट्रपति निर्वाचित हुए और इस पद पर 31 अगस्त, 1984 से जुलाई, 1987 में भारत के राष्ट्रपति का पद-भार ग्रहण करने तक आसीन रहे ।

7. आप 1953, 1955, 1956, 1958, 1959, 1960 और 1961 में संयुक्त राष्ट्र महासभा, जेनेवा में अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के 42वें सत्र (1958) तथा वियना में अन्तर-संसदीय सम्मेलन (1978) में विभिन्न भारतीय प्रतिनिधि मंडलों के सदस्य रहे । आप 1955 से 1979 तक संयुक्त राष्ट्र प्रशासनिक अधिकरण के सदस्य और वर्ष 1968 से 1979 तक इसके अध्यक्ष रहे ।

8. आप विभिन्न क्षमताओं में अनेक संस्थाओं से संबद्ध रहे । आप निम्नलिखित उत्कृष्ट संस्थाओं के अध्यक्ष और सभापति रहे :—

(i) अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार हेतु निर्णायक मण्डल;

(ii) शान्ति, निरस्त्रीकरण एवं विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार हेतु अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक मण्डल;

(iii) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्; और

(iv) भारतीय लोक प्रशासन संस्थान ।

9. आपने मद्रास विश्वविद्यालय से विधि में डॉक्टरेट (हॉनरिस कौसा) की उपाधि और नागार्जुन विश्वविद्यालय से विधि में डॉक्टरेट (हॉनरिस कौसा) की उपाधि प्राप्त की । आप मद्रास मेडिकल कॉलेज के मानद् फैलो; डॉक्टर ऑफ सोशल साईंसेज, रुड़की विश्वविद्यालय; वर्दमान विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ लॉ (हॉनरिस कौसा) रहे ।

10. आपको स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए ताम्र-पत्र प्रदान किया गया और समाजवादी देशों की श्री कामराज द्वारा की गई यात्रा पर यात्रा-वृतांत लिखने के लिए सोवियत लैंड पुरस्कार प्रदान किया गया । आपको काँची कामकोटि पीठ के गुरु शंकराचार्य द्वारा "सत् सेवा रत्न" की उपाधि दी गई ।

11. आपके निधन से राष्ट्र ने एक वरिष्ठ राजनेता, संसद-विद् और महान् नैतिकतावादी व्यक्ति खो दिया है जिन्हें देश के प्रति अगाध प्रेम और लोगों के प्रति चिरस्थायी अनुराग के लिए जाना जाता है ।

Defence. Shri Venkataraman was elected Vice-President of India and served in this position from August 31, 1984 till he assumed the office of the President of India in July, 1987.

7. Shri Venkataraman had been a member of various Indian delegations to the United Nations General Assembly in 1953, 1955, 1956, 1958, 1959, 1960 and 1961; 42nd Session of the International Labour Conference at Geneva (1958); and the Inter Parliamentary Conference in Vienna (1978). He was also Member, United Nations Administrative Tribunal from 1955 to 1979 and was its President from 1968 to 1979.

8. Shri Venkataraman had also been associated with several institutions in diverse capacities. He was Chairman and President of the following institutions of excellence:—

(i) Jury for the Jawaharlal Nehru Award for International Understanding;

(ii) International Jury for the Indira Gandhi Prize for Peace, Disarmament and Development;

(iii) Indian Council for Cultural Relations; and

(iv) Indian Institute of Public Administration.

9. Shri Venkataraman received Doctorate of Law (Honoris Causa) from University of Madras, the Doctorate of Law (Honoris Causa) from Nagarjuna University. He was Honorary Fellow, Madras Medical College; Doctor of Social Sciences, University of Roorkee; Doctor of Law (Honoris Causa) from University of Burdwan.

10. He was awarded Tamra Patra for participation in the Freedom Struggle, the Soviet Land Prize for his travelogue on Shri Kamraj's visit to the Socialist countries. The title of "Sat Seva Ratna" has been conferred on him by His Holiness the Sankaracharya of Kanchi Kamakoti Peetham.

11. In the death of Shri Venkataraman, the Nation has lost an elder Statesman, Parliamentarian and a person of great moral caliber, known alike for his deep love for the country and abiding affection for his people.

मधुकर गुप्ता, सचिव

MADHUKAR GUPTA, Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.